Class - 3
Subject - HINDI
पाठ – 4 परोपकारी विद्यासागर

1. शब्दार्थ :–

दिलचस्पी	–	रूचि
परोपकारी	–	दूसरों की भलाई करने वाला
स्वावलंबी	–	आत्मनिर्भर
तीव्र बुद्धि	–	तेज दिमाग
आत्म–गौरव	–	स्वाभिमान
दिल्लगी	–	मजाक
सज्जन	–	भद्र पुरूष
अवस्था	–	आयु
अध्यापन	–	पढ़ाना
अकाल	–	सूखा पड़ना

<u>मौखिक</u>

2. क. लड़का भीख क्यों माँग रहा था?

उत्तर लड़का भीख इसलिए माँग रहा था क्योंकि वो दिन से भूखा था।

ख. बंगाली बाबू कौन थे?

उत्तर बंगाली बाबू ईश्वरचंद्र विद्यासागर थे।

ग. ईश्वरचंद्र विद्यासागर में कौन–कौन से गुण थे?

उत्तर ईश्वरचंद्र विद्यासागर में दयालु, परोपकारी और स्वावलंबी होने के गुण थे।

घ. विद्यासागर ने बच्चों की शिक्षा के लिए क्या किया?

उत्तर विद्यासागर ने बच्चों की शिक्षा के लिए सरकार से कहकर 100 प्राथमिक विद्यालय खुलवाए।

<u>लिखित</u>

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

3. क. ईश्वरचंद्र विद्यासागर का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

उत्तर ईश्वरचंद्र विद्यासागर का जन्म 1820 ई0 में बंगाल के एक गरीब परिवार में हुआ था।

ख. बंगाली बाबू ने पैसे माँगने वाले लड़के की सहायता कैसे की?

उत्तर बंगाली बाबू ने पैसे माँगने वाले लड़के को एक छोटी सी दुकान खुलवाकर उसकी सहायता की।

ग. अकाल के समय विद्यासागर ने क्या किया?

उत्तर अकाल के समय विद्यासागर ने तन–मन–धन से अकाल पीड़ित लोगों की सहायता की।

घ. विद्यासागर के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर विद्यासागर के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें भी दयालु और परोपकारी बनना चाहिए। हमारा स्वभाव सरल तथा हमें स्वावलंबी बनना चाहिए।

4. मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न विद्यासागर लड़के का कौन–सा जवाब सुनकर खुश हुए?

उत्तर जब लड़के ने विद्यासागर से यह कहा कि मैं बाजार से आम खरीदकर गाँव में बेचूँगा और धीरे–धीरे अपनी कमाई बढ़ाऊँगा।

5. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए।

क. विद्यासागर ने अपने स्वाभिमान के लिए किसका त्याग किया?

पैसों का ✓ नौकरी का शिक्षा का

उत्तर नौकरी का

ख. विद्यासागर ने कितने स्कूल खुलवाए?

बीस पचास ✓ सौ

उत्तर सौ

ग. विद्यासागर ने प्राथमिक शिक्षा कितने वर्षों में समाप्त की?

✓ तीन चार पाँच

उत्तर तीन

6. किसने कहा? किससे कहा? लिखिए।

		किसने	किससे
क.	“बाबू, मुझे एक पैसा दे दो।”	लड़के ने	बंगाली बाबू से
ख.	“क्या करोगे एक पैसे का?”	बंगाली बाबू ने	लड़के से
ग.	“और अगर तुझे चार पैसे दूँ तो”	बंगाली बाबू ने	लड़के से

7. नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए।

क. गरीब होने पर भी ठाकुरदास बड़े ही <u>स्वावलंबी</u>, परोपकारी और <u>दयालु</u> व्यक्ति थे।

ख. पिता के सभी अच्छे <u>गुण</u> ईश्वरचंद्र विद्यासागर में विद्यमान थे।

ग. <u>गुलामी</u> का जीवन इन्हें पसंद नहीं था।

घ. बंगाल में जब अकाल पड़ा तब विद्यासागर तन–मन–धन से अकाल <u>पीड़ित</u> लोगों की सहायता में जुट गए।